भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

15 अक्टूबर, 2025

कार्पोरेटों की फायदा के लिए केंद्र, राज्य सरकारे कगार युद्ध को चलाते हुए हमारा पार्टी के केंद्रीय कमेटी, राज्य कमेटीयों की सदस्यों को, पार्टी कार्यकर्ताओं को हत्या करने के विरोध में अक्टूबर 18–23 तक विरोध सप्ताह मनाए. 24 अक्टूबर को देश व्यापी बंद को पालन करे.

नारायणपुर के माड, बीजापुर जिला के नेशनलपार्क, कर्रेगुट्टा इलाको में, सुकमा जिला में, झारखंड की पश्चिम सिंहभूम जिला में, ओडिशा राज्य में आगामी $5\frac{1}{2}$ महीनों में चलाये जाने वाले कगार युद्ध को रोकने की मांग को लेकर देश व्यापी आंदोलन को खड़े करे.

ब्राह्मणीय हिन्दुत्व फासीवादी केंद्र, छत्तीसगढ़ राज्य सरकारे सितंबर 11 के दिन गरियाबंद जिला में भालुडिग्गी जंगल एरिया में घेराबंदी (इन्सर्किलमेंट हमला) हमला करके हमारा केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड मनोज (मोडेम बालाक्रिष्णा) को, ओडिशा राज्य कमेटी सदस्य कामरेड विजय (चंद्रहासा) को उन दोनों के साथ 10 पार्टी, पीएलजीए सदस्यों को हत्या की. मानपुर–मोहल्ला जिला में सितंबर 12 के दिन डीके एसजेडसी सदस्य कामरेड विजय को, आरकेबी डीवीसी सचिव कामरेड लोकेश को निहत्था पकडकर हत्या की. सितंबर 11–20 के बीच में केंद्र सरकार के, छत्तीसगढ़ के खुफिया विभाग हमारा पार्टी के केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड्स कोसा (कडारी सत्यनारयण रेड्डी), राजु (कट्टा रामचंद्रा रेड्डी) गिरफ्तार करके, क्रूर यातनाये देकर सितंबर 22 के दिन नारायणपुर जिला, माड एरिया में, नेलंगुर के पास हत्या की. कामरेड्स कोसा, राजु दोनों छत्तीसगढ़ राज्य में क्रांतिकारी आंदोलन को स्थापित करने के लिए शहरों में निहत्था रहकर क्रांतिकारी काम कर रहे थे. उनको गिरफ्तार करने के बाद सरकारे उने कोर्ट में पेश नही की, जानबूझकर उन दोनों को हत्या की. झारखंड राज्य में वह की सरकार केंद्र सरकार से मिलकर हजारीबाग जिला में सितंबर 14 के दिन घेराबंदी हमला करके हमारा केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड अनुज (सहदेव सोरेन) को, पूर्वी बिहार–पूर्वोत्तार झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य कामरेड रघुनाथ हेम्ब्रम को, इन दोनों के साथ और दो पार्टी सदस्यों को हत्या की. यह हत्याओं के विरोध में अक्टूबर 18 से 23 तक देशभर में विरोध सप्ताह मनाने, 24 अक्टूबर के दिन देश व्यापी बंद को पालन करने के लिए देश की जनता से हम अनुरोध कर रहे हैं.

ब्राह्मणीय हिन्दुत्व फासीवादी आरएसएस–भाजपा केंद्र सरकार 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने की नाम पर 'कार्पोरेट हिन्दु देश' को निर्माण करने का दुष्ट योजना बनाए. इस देशद्रोही, जन विरोधी दुष्ट योजना की अमल में हमारा पार्टी–भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नेतृत्व में चल रही क्रांतिकारी आंदोलन प्रधान बाधा बनकर खड़े है. इसलिए हमारा पार्टी को, देश की क्रांतिकारी आंदोलन को खत्म करने के लिए केंद्र, राज्य करकारे मिलकर 'कगार' युद्ध को चल रही हैं. इस युद्ध में बीते 22 महीनों में देश भर में लगभग 700 क्रांतिकारियों को, संघर्षरत जनता को हत्या किये. बचे हुए केंद्रीय कमेटी सदस्यों को, विभिन्न राज्यों की राज्य कमेटी सदस्यों को, पार्टी सदस्यों को, पीएलजीए सदस्यों को 31 मार्च, 2026 तक खत्म करने की चेतवनी/धमकियॉ देश की प्रधानमंत्री, देश की गृहमंत्री, भाजपा शासित राज्यों की मुख्यमंत्री, उन राज्यों की गृहमंत्री, उच्छ पुलीस अधिकारीगण बार–बार दे रहे हैं. इस तरह धमकाना संविधान विरोधी, जनवादी विरोधी होने के साथ फासीवाद होता है. इस बीच में भाजपा ने अपना अनुशांगिक संगठनों के जरिये 'भारत मंथन' के नाम पर दिल्ली में और दूसरा शहरों में विचारगोष्ठीयॉ चलाकर 'अर्बन नक्सल' (शहरों में रहने वाले नक्सल) को खत्म करने का धमकिया भी दे रहे हैं. इस का मतलब, आरएसएस–भाजपा द्वारा, उनके नेतृत्व में चल रही केंद्र, राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रही कार्पोरेटीकरण को, सैन्यकरण को, हिन्दुत्व को विरोध करने वाले तमाम लोगों पर 'अर्बन नक्सल' का छाप लगाकर/कलंकित कर तमाम जन पक्षधर बुद्धिजीवीयों को खत्म करने की भयानक फासीवादी रणनीतिक योजना को लागू करना होता है. दूसरी तरफ, 'विपक्ष मुक्त भारत' को गठन करने के लिए, वर्षकालीन संसदीय सत्र में भजपा की केंद्र सरकार 130 वा संविधान की संशोधन बिल को पेश की. इस देश की लुटेरे वर्गों के फायदा के लिए लिखा गया संविधान को भी पूरा बदलकर उसकी स्थान पर आधुनिक मनुस्मृति को देश की

संविधान बनाने की षडयंत्रकारी गतिविधियों को आरएसएस–भाजपा ने तेज की. इस के तहत कई सारे संविधान–कानून बदलाव की कोशिशें किये जा रहे है.

इस बीच में, मध्यप्रदेश की कजुराहो मंदिर के सिरकटा विष्णु की प्रतिमा को मरम्मत करने के लिए डाले गये याचिका पर अक्टूबर 6 के दिन सुप्रीमकोर्ट में प्रधान न्यायमूर्ती (सीजेआाई) बी.आर. गवाय के बयान को विरोध जताने के नाम पर हिन्दुत्ववादी वकील ने गवाय पर जूता फेक दिये. हरियाणा राज्य में ब्राह्मणीय हिन्दुत्ववादी पुलीस के उच्छ अधिकारीयों द्वारा लंबे समय से प्रताडित करने के वजह से वहा की अडिशिनल डीजीपी पूरनकुमार को आत्महत्या करना पड़ा. यह दो घटनाये, आने वाले दिनों में दलित, आदिवासी, पिछडा वर्ग के कर्मचारीयों पर, उच्छ अधिकारीयों पर हिन्दुत्ववादी, मनुवादीयों का तेज होने वाले हमलों का सूचक है.

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात किए गये सीआरपीएफ की 80 फीसदी बलों को, उत्तर भारत में तैनात किए गये सीआरपीएफ बलों से ज्यादा बलों को छत्तीसगढ़, झारखंड, आडिशा राज्यों में तैनात कर आने वाले $5\frac{1}{2}$ महीनों में दंडकारण्य के नारयणपुर जिला के माड, बीजापुर जिला के नेशनलपार्क, कर्रेगुट्टा एरियाओं में, सुकमा जिला में, झारखंड के पश्चिम संहभूम जिला में, ओडिशा की नक्सल प्रभावित जिलों में माओवादीयों को, संघर्षरत जनता को बड़े पैमाने पर खत्म करने का दुष्ट योजना को अमल शुरू हो चुका है.

ऐसी स्थिति में कगार युद्ध को रोकने की मांग को लेकर देश भर में व्यापक जन आंदोलन को खड़े करने का जरूरत है. 'विकसित भारत' की गठन की नाम पर देश को 'कार्पोरेट हिन्दु राष्ट्र' में बदलने के लिए आरएसएस–भाजपा की नेतृत्व में चलने वाले केंद्र, राज्य सरकारों द्वारा देश में व्यापक जनता (उत्पीडित वर्ग, उत्पीडित सामाजिक समुदाय, उत्पीडित राष्ट्रीयताओं की जनता) पर, विपक्ष पार्टीयों पर, जन पक्षधर बुद्धिजीवीयों पर, जन पक्षधर संगठनों–संस्थाओं पर चलाये जाने वाले हमलों के विरोध में, उसे प्रतिरोध करने देश भर में व्यापक जन आंदोलन को, जन प्रतिरोध आंदोलन को खड़े करने की जरूरत है.

ऐसी स्थिति में, सितंबर महीने में हमारा पार्टी के चार केंद्रीय कमेटी सदस्यों को, तीन राज्य कमेटी सदस्यों को, कई सारे पार्टी कमेटी सदस्यों को, पार्टी सदस्यों को, पीएलजीए सदस्यों को, संघर्षरत जनता को हत्या करने का विरोध में अक्टूबर 18 से 23 तक देश भर में विरोधी सप्ताह मनाने, अक्टूबर 24 को देश व्यापी बंद को पालन करने देश के तमाम जनता से हम अनुरोध कर रहे है और आह्वान दे रहे है. ग्रामों में, शहरों में, महानगरों में गृप मीटिंग्स, छोटे–बड़े सभाएं, गोष्टीयॉ, रैलियॉ, धरनाये वगैराह रूपों से विरोध सप्ताह मनाने के लिए देश की व्यापक जनता (उत्पीडित वर्ग, उत्पीडित समाजिक समुदाय, उत्पीडित राष्ट्रीयताओं के जनता) को अनुरोध कर रहे है. आगामी $5\frac{1}{2}$ महीनों में नारायणपुर जिला के माड, बीजापुर जिला के नेशनलपार्क, कर्रेगुट्टा एरियाओं में, सुकमा जिला में, झारखंड राज्य के पश्चिम सिंहभूम जिला में, ओडिशा के नक्सल प्रभावित जिलों में चलने वाले कगार युद्ध को रोकने की मांग को लेकर केंद्र, राज्य सरकार के विरोध में देश भर में व्यापक जन आंदोलन को, जन प्रतिरोध आंदोलन को खड़े कर चलाने के लिए देश की व्यापक जनता से अनुरोध कर रहे है और आह्वान दे रहे है.

क्रांतिकारी अभिनंदन के साथ

(अभय)
प्रवक्ता
केंद्रीय कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)